

# गांधी युग

- महात्मा गांधी का जन्म 2 oct.1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ।
- इनका पूरा नाम मोहन दास करमचंद्र गांधी था जबकि प्यार से इन्हें लोग भाई कहते थे।
- इनके पिता मोहनदास राजकोट शहर में दिवान थे। इनकी माता पुतलीबाई थी। 1883 ई० में 14 वर्ष की अवस्था में कस्तूरबा गांधी से इनका विवाह हो गया। इनके चार पुत्र थे। हरिलाल, मनिलाल, रामदास देवदास यमुना लाल बजाज को इनका पांचवां (दत्तक) पुत्र कहा जाता है।
- ये अपनी उच्च शिक्षा के लिए लंदन चले गए और वहाँ वकालत की पढ़ाई (LLB) पूरी करके बैरिस्टर बने और 1891 में भारत वापस आए।
- एक गुजराती व्यापारी का केश लड़ने के लिए 1893 में वो दक्षिण अफ्रिका चले गए।
- दक्षिण अफ्रीका में नेटाल क्षेत्र के समीप डरबन में पिटरमार्टिन वर्ग स्टेशन पर इन्हें ट्रेन से निचे ढकेल दिया गया, क्योंकि प्रथम श्रेणी में भारतीयों और कुत्तों को जाना मना था।
- इस घटना के बाद ब्रिटिश सरकार को गांधीजी से माफी मांगनी पड़ी। दक्षिण अफ्रिका में महात्मा गाँधी ने भारतीयों के लिए अपना पहला सत्याग्रह किया।
- इन्होंने 1906 में दक्षिण अफ्रिका में फिनिक्स फर्म (Phenix form) की स्थापना किया। महात्मा गांधी ने Indian openion नामक पत्रिका लिखी जो कई भाषाओं में प्रकाशित हुई किन्तु इसका प्रकाशन उर्दु में नहीं हुआ।
- दक्षिण अफ्रिका में ही महात्मा गांधी ने गोपालकृष्ण गोखले को अपना राजनैतिक गुरु मान लिया।
- महात्मा गाँधी को आंदोलन की प्रेरणा रूस के विद्वान लियो टॉल्स टॉय से मिली। इन्हीं से महात्मा गांधी सर्वाधिक प्रभावित थे।
- महात्मा गांधी को भुख हड़ताल की प्रेरणा जर्मन विद्वान रस्कीन से मिली।
- महादेव देसाई महात्मा गाँधी के (सलाहकार) सचिव थे। अमेरिकी पत्रकार मिलर महात्मा गाँधी का सहयोगी था।

## महात्मा गाँधी की उपाधिया

- अंग्रेजों ने गाँधीजी को सारजेण्ट की उपाधि दी, क्योंकि गाँधीजी ने प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटिश सेना में बहुत से भारतीयों को भर्ती करवाया।
- अंग्रेजों का सहयोग करने के कारण महात्मा गाँधी को ब्रिटिश सरकार ने कैसर-ए-हिन्द की उपाधि दी।
- चम्पारण सत्याग्रह की सफलता के बाद रविन्द्रनाथ टैगोर ने महात्मा की उपाधि दी।
- जवाहर लाल नेहरू ने इन्हें बापु की उपाधि दिया। सुभाष चंद्र बोस ने इन्हें राष्ट्रपिता की उपाधि दिया।
- विस्टन चर्चिल (PM of England) ने इन्हें अर्द्धनग्न फकीर कहा।
- शेख मुजिवुल रहमान ने इन्हें जादुगर की उपाधि दिया।
- खुदाई खिदमत गार संस्था ने मंगल बाबा की उपाधि दिया।
- आइंस्टीन ने कहा कि आने वाले 100, 200 साल के बाद सायद ही कोई विश्वास करे की ऐसे हाड़मांस के शरीर वाला व्यक्ति इस पृथ्वी पर था, जिसने इतना बड़ा आंदोलन कर दिया।
- 9 Jan. 1915 को महात्मा गांधी भारत लौट आए आज भी इस दिन को प्रवासी भारतीय दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- 1916 में महात्मा गाँधी ने अहमदाबाद में साबरमती आश्रम की स्थापना किया। इस आश्रम के लिए धन अम्बालाल साराबाई ने दिया। इस आश्रम के अंदर महात्मा गांधी की कुटीया हृदय कुंज कहलाता था।

- 1916 में महात्मा गांधी ने कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में भाग लिया इसकी अध्यक्षता अम्बिका चंद्र मजुमदार कर रहे थे। इसी अधिवेशन में राजकुमार शुक्ल ने गांधी जी को चम्पारण के निल्ले जमिंदारों के तीन कठिया पद्धति (3/20) की जानकारी दी और उन्हें चम्पारण आने का आग्रह किया।
- 1917 में महात्मा गांधी राजेन्द्र प्रसाद तथा अनुग्रहनारायण सिन्हा के साथ चम्पारण पहुंचे और वहाँ सफल सत्याग्रह किए। अंग्रेजों ने तिनकठिया पद्धति समाप्त कर दी यह भारत में महात्मा गांधी का पहला सफल आंदोलन था इसकी सफलता के बाद रविन्द्र नाथ टैगोर ने इन्हें महात्मा की उपाधि दिया।
- 1918 में महात्मा गांधी ने खेड़ा सत्याग्रह किया और किसानों के बढ़े हुए टैक्स को माफ कराया।
- 1918 में ही महात्मा गांधी ने अहमदाबाद मिल मजदूर सत्याग्रह किया। इस सत्याग्रह में पहली बार महात्मा गांधी ने भुख हड़ताल का प्रयोग किया।

**Remarks :** महात्मा गांधी के आंदोलन के चार चरण थे—

- सत्याग्रह
- भुखहड़ताल
- बहिष्कार
- हड़ताल

### रौलेक्ट एक्ट

- भारतीय क्रांति को दबाने के लिए सिडनी रौलेक्ट ने Anarchical and Revolutionary Act लाया। जिसके तहत सरकार के आधार पर पुलिस किसी को भी गिरफ्तार कर सकती है।
- इसे बिना दलील बिना अपील, बिना वकिल का कानून कहा गया। गांधी जी ने इसे काला कानून कहा। इसी कानून के तहत पंजाब के दो नेता सैफुद्दीन किचलू तथा सत्यपाल को गिरफ्तार कर लिया गया।

### जालियावाला बाग (13 April 1919)

- रौलेक्ट एक्ट के विरोध में अमृतसर के जालियावाला बाग में लोग इकट्ठा हुए थे।
- इस समय भारत का वायसराय (गवर्नर) चेम्सफोर्ड था।
- पंजाब का लेफ्टिनेंट गवर्नर O डायर ने गोरखा रेजीमेंट के ब्रिगेडियर R डायर को जालियावाला बाग भेजा। जहाँ R डायर ने निहत्थे लोगों पर गोलियां चलवा दी।
- हंस राज नामक भारतीय ने जालियावाला बाग की सूचना अंग्रेजों को दी थी।
- जालियावाला बाग नरसंहार के कारण पूरे भारत में विरोध हुआ।
- गांधी जी ने कैसेरे हिन्द की उपाधि रविन्द्र नाथ टैगोर ने सर की उपाधि त्याग दिया। डा० शंकर नायर ने वायसराय की कार्य कारिणी परिषद् से त्याग पत्र दे दिया।
- कांग्रेस ने इस घटना की जांच के लिए मदन मोहन मालविय के नेतृत्व में एक समिति बनाई इस समिति ने कहा की यह जनरल डायर द्वारा जल्दबाजी में लिया गया मुख्तियारपूर्ण कदम था।
- अंग्रेजों ने इसके जाँच के लिए हंटर कमिशन का गठन किया। इस कमीशन में जनरल डायर को सही ठहराया। जनरल O डायर को लंदन में सम्मान के रूप में तलवार दिया गया।
- 1940 में अधम सिंह ने लंदन जाकर जनरल O डायर की गोली मारकर हत्या कर दी।

### होमरूल आंदोलन (1916)

- यह आयरलैण्ड से प्रेरित था इसकी शुरुआत दो चरणों में हुई पहला चरण बालगंगाधर तिलक ने April 1916 में महाराष्ट्र से प्रारंभ किया।

- ❧ इसी आंदोलन के दौरान उन्होंने कहा कि “स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर ही रहूंगा।” वैंलेटाइन सिरोल ने तिलक जी को भारतीय अशांति का जनक (Indian Arnest) कहा था। जिस कारण ये उसपर केश करने लंदन चले गए जिस कारण 1918 में होमरूल का पहला चरण समाप्त हो गया।

**Remarks :** बालगंगाधर तिलक को लोक मान्य कहा जाता है। इनकी अर्थी को महात्मागांधी तथा शौकत अली ने कंधा दिया।

- ❧ होमरूल का दुसरा चरण सितम्बर, 1926 में एनी बेसेंट ने प्रारंभ किया। इनका होमरूल आंदोलन पूरे भारत में फैल गया। किन्तु अंग्रेजों ने एनी बेसेंट को गिरफ्तार कर लिया और जब 1918 में उन्हें छोड़ा तो होमरूल आंदोलन पूरी तरह समाप्त हो चुका था। होमरूल का उद्देश्य प्रांतीय स्वायत्तता (राज्यों का स्वशासन) थी।

### खिलाफत आंदोलन

- ❧ प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान अंग्रेजों ने मुसलमानों से यह वादा किए थे कि वे तुर्की का विभाजन नहीं करेंगे किन्तु प्रथम विश्वयुद्ध के बाद अंग्रेजों ने तुर्की का विभाजन कर दिया। उसे आपस में बांट दिया। इसका विरोध तुर्की के खलीफा ने किया भारत में इसी विभाजन के विरोध में खिलाफत आंदोलन प्रारंभ किया गया। खिलाफत आंदोलन को मोहम्मद अल्ली तथा शौकत अली ने शुरू किया था। अखिल भारतीय खिलाफत की बैठक दिल्ली के फिरोज साह कोटला मैदान में हुई 23 Nov. 1919 को इसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी ने कर दिया। अंतर्राष्ट्रीय दबाव में आकर अंग्रेजों ने तुर्की के विभाजन को रद्द कर दिया और भारत में भी खिलाफत आंदोलन समाप्त हो गया। महात्मा गांधी को मुसलमानों का भी सहयोग प्राप्त हो गया।

### असहयोग आंदोलन (1 Aug. 1920)

- ❧ यह महात्मा गांधी द्वारा चलाया गया पहला जन आंदोलन था, क्योंकि इसमें पूरे देश की जनता ने भाग लिया था। महात्मा गांधी ने कहा था कि यदि हमसब मिलकर अहिंसक रूप से अंग्रेजी वस्तुओं का बहिष्कार करें तो निश्चित ही एक वर्ष में आजादी मिल जाएगी।
- ❧ महात्मा गांधी के कहने पर ही वकिलों ने न्यायालय जाना छोड़ दिया। विद्यार्थियों ने अंग्रेजों का स्कूल छोड़ दिया नाई, धोबी, मोची, बावर्ची ने अंग्रेजों का काम करने से मना कर दिया। लोग अंग्रेजों के वस्तुओं के खरीदना छोड़ दिए और दुकानदार उसे बेचना छोड़ दिए। इससे अंग्रेजों को भारी नुकसान हुआ। किन्तु यह आंदोलन आजादी नहीं दिला सकता था।
- ❧ दक्षिण भारत से असहयोग आंदोलन गोपालचारी ने किया। इसी आंदोलन के दौरान मौलाग मजहरूल हक ने पटना में सदाकत आश्रम की स्थापना की। C.R. दास तथा मोतीलाल नेहरू ने प्रारंभ में इस आंदोलन का विरोध किया किन्तु बाद में वे भी इस आंदोलन से जुड़ गए।
- ❧ इस आंदोलन में जेल जानेवाले पहले पुरुष C.R. दास थे तथा पहली महिला वसंती देवती थी। 5 फरवरी, 1922 को गोरखपुर के चौड़ी-चौड़ा में भीड़ ने 22 पुलिस वालों को जिंदा जला दिया। इस घटना के समय महात्मा गांधी गुजरात में थे। इन्होंने इस हिंसा से आहत होकर 12 फरवरी, 1922 को यह आंदोलन स्थगित कर दिया। महात्मा गांधी के इस कदम का पूरे भारत में विरोध हुआ।
- ❧ जवाहर लाल नेहरू ने कहा कि “यदि काश्मीर किसी गांव हिंसा हुआ है तो उसका सजा कन्याकुमारी के किसी गांव को क्यों दी जाए।”
- ❧ सुभाष चन्द्र बोस ने कहा कि “जब जनता का उत्साह अपने चरम पर था तो गांधी जी द्वारा आंदोलन स्थगित करना एक मुख्तता पूर्ण निर्णय था।” 10 मार्च, 1922 को जनता को भड़काने के आरोप में गांधी जी को 6 वर्ष जेल की सजा हुई। 1924 में गांधीजी को खराब स्वास्थ्य के कारण जेल से रिहा कर दिया गया। 1924 में गांधी जी ने बेलग्राम कांग्रेस अधिवेशन (केरल) की अध्यक्षता की।



## स्वराज दल

1922 में कांग्रेस के गया अधिवेशन में स्वराज पार्टी के गठन की चर्चा हुई। 1 जनवरी, 1923 को स्वराज पार्टी का गठन इलाहाबाद में हो गया। इसके पहले अध्यक्ष C.R. Das तथा महासचिव मोतीलाल नेहरू बने। यही दोनों इस पार्टी के संस्थापक थे। इस पार्टी का मुख्य उद्देश्य था केन्द्रीय विधान सभा (संसद) में घुसकर सरकारी काम में बाधा डालना। इसके लिए इन्होंने चुनाव लड़ने का निर्णय लिया और जनता से यह वादा किया कि वे कोई भी सरकारी पद नहीं लेंगे। केन्द्रीय विधान सभा के 100 सिरों में स्वराज दल को 42 सिरे प्राप्त हुई जिस कारण 1923 के चुनाव में स्वराज पार्टी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनी।

- (i) सरकारी काम में बाधा डालना
- (ii) राज्यों की स्वायत्तता (स्वतंत्रता)
- (iii) डोमेनियन स्टेट

स्वराज दल ने ली कमीशन की रिपोर्ट नहीं लागू होने दिया जो जाती की उच्चता को बरकरार रखने की बात कर रहा था। स्वराज दल ने मुडीमैन कमीशन का भी रिपोर्ट पारित नहीं होने दिया जो राज्यों में स्वतंत्रता न लाकर द्वैध शासन की बात कर रहा था। विट्टल भाई पहले भारतीय बने जो विधान सभा के अध्यक्ष बने ये स्वराज दल के थे। मोतीलाल नेहरू ने भी सरकारी पद ले लिया जिस कारण जनता का विश्वास इस पार्टी से उठने लगा और 1928 आते-आते यह पार्टी समाप्त हो गई।

**बलसाड सत्याग्रह (1924) :** यह गुजरात के बलसाड से डकैती कर के विरुद्ध प्रारंभ हुआ। अंग्रेजों को डकैती कर रद्द करना पड़ा। इसका नेतृत्व बल्लभ भाई पटेल ने किया।

**वायकोण सत्याग्रह (1924-25) :** यह केरल के मालवाड़ तट से प्रारंभ हुआ। इजवा जनजाती के लोगों को मंदिर के आगे के रास्ते पर जाने से रोका गया था जिसके विरुद्ध T.K. माधवन ने यह आंदोलन प्रारंभ किया। यह आंदोलन सफल रहा।

## साइमन कमीशन

अंग्रेजों ने यह वादा किया था कि वे 1919 के अधिनियम में 10 वर्षों के बाद पुनः सुधार करेंगे। किन्तु भारतीयों में आपसी मतभेद बहुत अधिक था। जिस कारण भारत के राज्य सचिव वरकेन हेड ने 1927 को साइमन कमिशन का गठन करवाया। इस 7 सदस्यों वाले आयोग के सभी अंग्रेज सदस्य थे। इसके अध्यक्ष साइमन थे। क्लीमेंट एटली भी इसके सदस्य थे जो आगे जाकर ब्रिटेन के PM बने। साइमन कमीशन 1919 की अधिनियम की जाँचकरने आया था। इसका मुल नाम Indian Statuery Commission (भारतीय वैधानिक आयोग) था। फरवरी, 1928 को जब साइमन कमीशन भारत पहुंचा तो उसका अत्यधिक विरोध हुआ। इसी विरोध प्रदर्शन में पंजाब में लालालाजपत राय के ऊपर सांडर्स के नेतृत्व में पुलिस लाठी चार्ज हो गई जिसमें चोट लगने से लालालाजपत राय की मृत्यु हो गई। लाला जालपता राय ने कहा कि मेरे पीठपर परी एक-एक लाठी अंग्रेजों के ताबुत की आखिरी कील साबित होगी। साईस की हत्या का आरोप लगाकर भगत सिंह को फाँसी दे दिया गया। समस्त भारत ने इस आयोग का विरोध किया और इसे श्वेत कमिशन कहा। दक्षिण भारत कि जस्टिस पार्टी तथा युअनिष्ट पार्टी ने इसका समर्थन किया। विरोध के बावजूद साइमन कमिशन ने 1930 में अपनी रिपोर्ट दे दी। साइमन कमिशन के रिपोर्ट के आधार पर ही भारत शासन अधिनियम 1935 पारित हुआ। इस अधिनियम के द्वारा म्यामांर (वर्मा) को भारत से अलग कर दिया गया। इसी अधिनियम के द्वारा पहली बार भारत में प्रांतिय चुनाव 1937 में करा दिया गया। इस चुनाव में कांग्रेस को बड़ी जीत हासिल हुई। 8 राज्यों में कांग्रेस की सरकार बन गई। पंजाब तथा सिंध में मुस्लिम लिग की सरकार बनी।

**नेहरू रिपोर्ट –** साइमन कमिशन के विरोध के कारण भारत के राज्य सचिव वरकेन हेड ने भारतीयों को यह चुनौती दी यदि सर्व सहमती से वह अपना कानून बना लेंगे तो मैं उसे ब्रिटेन में पारित करा दुंगा। इस चुनौती को स्वीकार करते हुए मोतीलाल नेहरू ने नेहरू रिपोर्ट तैयार किया जिसका मुख्य उद्देश्य Domenian State (स्वायत राज्य) की स्थापना करना था किन्तु मुस्लिम लीग ने इसे स्वीकार नहीं कि जिस कारण नेहरू रिपोर्ट पारित नहीं हो सका।

- ☞ **14 सत्री जिन्ना फार्मुला** – नेहरू रिपोर्ट के प्रतिउत्तर में जिन्ना ने 14 सुत्री जिन्ना फार्मुला दिया अंग्रेजों ने इसे भी स्वीकार नहीं किया।
- ☞ **लाहौर अधिवेशन (1929)** : इसकी अध्यक्षता जवाल लाल नेहरू ने किया इसमें पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि हर 26 जनवरी को स्वाधिनता दिवस मनाया जाएगा। इसी कारण 26 नवम्बर, 1949 को संविधान बनने के बावजूद इसे 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया। इसी अधिवेशन में लाहौर में रावी नदी के तट पर मध्य रात्री को जवाहरलाल नेहरू ने तिरंगा लहराया और कहा कि मध्यरात्री पर जब पूरी दुनिया सो रही है भारत अपनी स्वतंत्रता की न्यू रख रहा है।

## दाण्डी मार्च

गाँधी जी ने इरविन को अपनी 11 सूत्री माँग सौंप दी। किन्तु इरविन ने उसे अस्वीकार कर दिया। जिस कारण महात्मा गाँधी ने 12 मार्च 1930 को साबरमती आश्रम से अपने 78 (80) SC (अनुसूचित जाती) के सहयोगियों के साथ नामक कानून तोड़ने के लिए दांडी की ओर चल दिए। उनके साथ सरोजनी नायडू भी थी। 240 mile ( $240 \times 1.52 = 385$  km) की यात्रा को 24 दिन में पूरा किया गया। 6 अप्रैल 1930 को दाण्डी यात्रा पूरी हुई और गाँधी जी ने दाण्डी में आसवन विधि द्वारा नमक बनाया। इसी के साथ महात्मागांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ कर दिया।

## सविनय अवज्ञा आंदोलन (Civil Disobedance Movement) - 1930

- ☞ दांडी यात्रा की सफलता को देखते हुए गाँधी जी ने इस आंदोलन को प्रारंभ किया। कश्मिर के क्षेत्र से खान अब्दुल गफ्फार खान ने खुदाई खिदमतगार संस्था का गठन किया। इन्होंने लाल कुरती सेना का गठन किया इन्हें सीमांत गांधी कहा जाता है। छपरा के कैदियों ने नंगा विद्रोह कर दिया क्योंकि वे स्वदेशी वस्त्रों की मांग कर रहे थे। दक्षीण भारत में इसका नेतृत्व चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने किया। मुम्बई में इसी आंदोलन के दौरान सरोजनी नायडू ने 25000 आंदोलनकारियों को लेकर धरसना नामक स्थान पर पहुंची किन्तु इसकी सूचना पहले ही अंग्रेजों को लग गई और अंग्रेजों ने इस आंदोलन को दबा दिया। इसी आंदोलन के दौरान लड़कों की बांदरी सेना तथा लड़कियों की मंजरी सेना का गठन किया गया।

यह आंदोलन आंशिक रूप से सफल रहा क्योंकि इसी आंदोलन के कारण अंग्रेजों ने Tax में कटौती किया तथा मादक पदार्थ जैसे-सिगरेट तथा शराब के उत्पादन में कमी किया। जब सविनय अवज्ञा आंदोलन चल रहा था तो लंदन में गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा था क्योंकि भारत के इस आंदोलन के कारण कोई कांग्रेस का प्रतिनिधि वहाँ भाग लेने नहीं गया।

जिस कारण इंग्लैण्ड से इरविन पर दबाव आने लगा कि वे कांग्रेस को इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए भेजे। इसी दबाव में आकर इरविन ने समझौता करने का विचार किया।

- ☞ इरविन ने महात्मा गांधी से यह आग्रह किया गया कि यदि वे सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित करके गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगे तो गांधीजी के कुछ बातों को मान लिया जाएगा जिससे सबसे प्रमुख राजनीतिक कैदियों की रिहाई थी। इस समझौता के तहत भगत सिंह को नहीं रिहा किया गया क्योंकि उनपर अपराधिक मुकदमा था।

**Note :** सरोजनी नायडू ने गांधी तथा इरविन को दो महात्मा कहा। इस समझौते के तहत 7 Sep. 1931 को महात्मा गाँधी S.S. Rajputana नामक पानी वाला जहाज से लंदन पहुंचे। जहाँ विस्टन चर्चिल ने उन्हें अर्द्धनग्न फकीर कहा। इस सम्मेलन में इंग्लैण्ड के प्रधानमंत्री रैमजे मैकाडोनल ने दलितों के लिए अलग क्षेत्र अर्थात् समप्रदायिक पंचांग (Communal Award) की बात कही। जिस कारण महात्मागांधी सम्मेलन को छोड़कर भारत लौट आए और पुनः सविनय अवज्ञा आंदोलन को आगे बढ़ाया। महात्मागांधी को गिरफ्तार करके पुना के यरवदा जेल में कैद कर दिया गया।

## गोलमेज सम्मेलन

भारतीय प्रशासन पर चर्चा करने के लिए लंदन में गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया।

**प्रथम गोलमेज सम्मेलन (12 Sep 1930)** — इस सम्मेलन में कांग्रेस का कोई प्रतिनिधि भाग नहीं किया क्योंकि की महात्मा गांधी सविन अवज्ञा आंदोलन कर रहे थे।

**द्वितीय गोलमेज सम्मेलन - (7 Sep 1931)**— इस सम्मेलन में महात्मा गाँधी ने भाग लिया किन्तु ब्रिटिश प्रधानमंत्री मैकडोनाल्ड ने सम्प्रदायिक पंचांग की बात कही जिसकारण गांधी जी सम्मेलन छोड़कर चले आए।

**तृतीय गोलमेज सम्मेलन (17 Nov. 1932)** — इस सम्मेलन में कांग्रेस ने भाग नहीं लिया। इसी सम्मेलन में मैकडोनाल्ड ने दलीतों के लिए पृथक क्षेत्र (साम्प्रदायिक पंचांग की घोषणा कर दी।

**Note :** तेज बहादुर शफरू तथा भीमराव अम्बेदकर तीनों ही गोलमेज सम्मेलन में भाग लिए थे।

**पूना समझौता (24 Sep 1932)** – जैसे ही सम्प्रदायिक पंचांग की घोषणा हुई और दलितों को आरक्षण सहित पृथक क्षेत्र दिया गया महात्मा गांधी ने पूना के यरवदा जेल में अनशन कर दिया। तेज बहादुर शफरू तथा मदनमोहन मालवीय के सहयोग से गांधी एवं अम्बेदकर के बीच समझौता हुआ। जिसे पूना Pact कहते हैं इसके तहत दलितों के आरक्षित सीट को 71 से बढ़ाकर 148 कर दी गई अर्थात् दलीतों को आरक्षण सहित संयुक्त निर्वाचन क्षेत्र दिया गया।

## हरिजन सेवक संघ

महात्मागांधी ने दलितों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए उन्हें हरिजन नाम दिया। 1932 में अखिल भारतीय अस्पृश्यता संघ (All Indian Untouchability League) की स्थापना किया जो आगे चलकर हरिजन सेवक संघ कहलाया।

## मुस्लिम लीग

इसकी स्थापना ढाका में 1906 ई. में आग खाँ एवं सलीमुल्लाखाँ ने किया इस समय वायसराय मिण्टो-II थे। 1909 में मुस्लिम लीग की मांग पर मुसलमानों की पृथक निर्वाचन क्षेत्र मिल गया जिस कारण कांग्रेस तथा लीग में विवाद होने लगा। ऐनी बेसेंट तथा तिलक जी के सहयोग से 1916 में कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में नरमदल, गरमदल तथा मुस्लिम लीग एक हो गए तथा कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की पृथक निर्वाचन क्षेत्र को स्वीकार कर लिया। 1929-30 के दौरान मो. इकबाल ने सर्वप्रथम द्वि-राष्ट्र की बात कही। चौधरी रहमत अल्ली पाकिस्तान शब्द लिया। 1937 के चुनाव के फलस्वरूप कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी थी और वायसराय के परिषद में कांग्रेस का दबदबा था और मुस्लिम लीग की शक्तियाँ कमजोर होते दिख रही थी। द्वितीय विश्वयुद्ध में अंग्रेजों ने बिना भारतीयों तथा कांग्रेस के अनुमति के ही यह घोषणा कर दी की 3 लाख भारतीय सैनिक इंग्लैण्ड की तरफ से लड़ेंगे जिस कारण कांग्रेस ने 22 Dec. 1939 को वायसराय के परिषद से त्याग पत्र दे दिया। इससे खुश होकर मुस्लिम लीग ने 22 Dec. 1939 को मुक्ति दिवस के रूप में मनाया। 1940 में मुस्लिम लीग का लाहौर अधिवेशन हुआ। जिसकी अध्यक्षता जिन्ना ने किया। इन्होंने स्पष्ट रूप से पृथक पाकिस्तान की मांग कर दी। 1945 में लार्ड वेवेल ने भारत के विभिन्न पार्टियों को आपसी समनवय तथा सहयोग बनाए रखने के लिए शिमला सम्मेलन बुलाया। किन्तु इस सम्मेलन में मुस्लिम लीग पूरत तरह पृथक पाकिस्तान की माँग पर तुला हुआ था। किन्तु सम्मेलन में मुस्लिम लीग की बात नहीं मानी गई। और मुस्लिम लीग के पाकिस्तान के मांग के कारण ही यह सम्मेलन विफल हो पाया।

## प्रत्यक्ष कारवाई दिवस

शिमला सम्मेलन की विफलता के बाद मुस्लिम लीग ने 16 Aug 1946 को प्रत्यक्ष कारवाई दिवस (Direct Action Plan) घोषित किया जिसके तहत पूरे भारत में साम्प्रदायिक दंगे फैलाये गए।



- ☞ सबसे बड़ा दंगा, बंगाल के नोआखली में हुआ। मुस्लिम लीग का नारा था।'' बांटो और आजाद करो।
- ☞ इन दंगों से तंग आकर कांग्रेस ने CR फमूर्ला के आधार पर विभाजन का समर्थन किया।
- ☞ लार्ड माऊंटबेटन को यह विशेष सलाह पर भारत भेजा गया की यथा संभव हो वे भारत को संयुक्त रखे किन्तु सम्रदायिक दंगों से तंग आकर माऊंट बेटन ने भी CR फमूर्ला का ही समर्थन किया और बाल्कन Plan के तहत 14 Aug 1944 को भारत का विभाजन कर दिया गया।
- ☞ मैकडुल रेडक्लिफ के नेतृत्व में भारत पाकिस्तान के बीच रेडक्लिफ नामक विभाजन रेखा खिंच दी गई। मोहम्मद अल्ली जिन्ना को पाकिस्तान का निर्माता कहा जाता है। लिआकत अल्ली पहले प्रधानमंत्री बने जो संयुक्त भारत के वित्तमंत्री थे।

### सुभाषचन्द्र बोस

- ☞ सुभाषचन्द्र बोस का जन्म 23 Jan 1897 को उड़ीसा के कटक में हुआ था। इनके गुरु C.R. Das थे। इन्होंने 1920 में इंडियन सिविल सर्विस (I.C.S.) की परीक्षा पास किन्तु 1921 में उन्होंने त्याग पत्र दे दिया और राजनीति में प्रवेश कर गए 1938 में गुजरात के हरिपुरा कांग्रेस अधिवेशन में अध्यक्ष बने।
- ☞ 1939 में (M.P.) के त्रिपुरी में महात्मागांधी पताभीसिता रमइया को अध्यक्ष बनाना चाहते थे। किन्तु इस अधिवेशन में मतदान द्वारा अध्यक्ष चुना गया और सुभाष चन्द्रबोस को अध्यक्ष चुना गया जिस कारण गांधी एवं बोस में मतभेद हो गया। कांग्रेस के इतिहासकार पताभी सितारमइया थे।
- ☞ सुभाष चंद्र बोस मतभेद होने के कारण कांग्रेस से त्याग पत्र दे दिया और एक अलग पार्टी फार्वड ब्लक की स्थापना 1930 में किया।
- ☞ कांग्रेस के खाली पदों को राजेन्द्र प्रसाद ने भरा। 1940 में भरकाऊ भाषण के कारण बोस को जेल हो गया। 1941 में जेल से रिहा हो गए। ये जर्मनी में हीटलर से मिले।
- ☞ हिटलर ने इन्हें नेताजी की उपाधि दिया हिटलर जिन भारतीय सैनिकों को बंदी बनाया था।
- ☞ सुभाष चन्द्र बोस ने इन्हें इंग्लैण्ड के विरुद्ध लड़ने के लिए प्रेरित किया। इन सैनिकों को हथियार और Training जापान ने दिया। साथ ही अण्डमान और निकोबार (A & N) सुभाषचन्द्र बोस को उपहार में दे दिया।
- ☞ सुभाष चन्द्र बोस ने अडमान निकोबार का नाम शहीद एवं स्वराज दिया।
- ☞ सिंगापुर में इन सैनिकों को आजाद हिन्द फौज का हिस्सा बना दिया गया और महात्मागांधी को राष्ट्रपिता कहकर संबोधित किया गया।

### आजाद हिन्द फौज

- ☞ इसके गठन का सर्वप्रथम विचार Indian Caipain मोहन सिंह ने दिया अर्थात यह कैप्टेन मोहन सिंह के दिमाग की उपज थी।
- ☞ आजाद हिन्द फौज के संस्थापक रासबिहारी बोस थे। 4 July 1943 को सुभाष चन्द्र बोस आजाद हिन्द फौज के कप्तान बने इन्हें इस फौज का वास्तविक संस्थापक माना जाता है। 21 Oct 1943 को सिंगापुर में सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिन्द सरकार की स्थापना की।
- ☞ सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिन्द फौज के सैनिकों को लेकर मणीपुर पर आक्रमण किया और उस को अपने नियंत्रण में कर लिया। मणिपुर के इम्फाल से सुभाष चन्द्र बोस ने जय हिन्द दिल्ली चलो का नारा दिया।
- ☞ 6 Aug तथा 9 Aug 1945 को अमेरिका ने जापान पर परमाणु हमला कर दिया जिस कारण सुभाष चन्द्र बोस ने जापान छोड़ दिया किन्तु 18 Aug 1945 को ताइवान (कामुसा) के समीप विमान दूर्घटना में इनकी मृत्यु हो गई।
- ☞ जापान सरकार ने इनकी मृत्यु की घोषणा 22 Aug 1945 को किया। इनकी मृत्यु के बाद आजाद हिन्द फौज की सैनिकों पर लाल किला में मुकदमा चलाया गया। इन सैनिकों की वकालत जवाहर लाल नेहरू तथा तेगबहादुर तथा K.N कागु जैसे वकिलों ने किया।

